निटर निदेशक की प्रेरणादायी कार्यप्रणाली से संस्थान की गतिविधियां नई ऊँचाईयों पर

द क्लिफ न्यूज़ ■ भोपाल

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्ततदेवेतरो जन।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

गीता में वर्णित इस श्लोक का अर्थ है कि एक उत्तम पुरुष श्रेष्ठ कार्य करता है, उसकी तरह ही अन्य लोग आचरण करते हैं. कहते हैं कि श्रेष्ठ पुरुष के कार्यों को देखकर सम्पूर्ण मानव समाज भी उन्ही की तरह बातों का पालन करने लगते हैं.

यहाँ बात हो रही है राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के निदेशक प्रोफ़ेसर सीसी त्रिपाठी की । अर्जुन की तरह केवल लक्ष्य पर नज़र रखने वाले निदेशक से जब द क्लिफ़ न्यूज़ के संपादक ने भेंट की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह बातें याद आने लगीं कि असंभव को संभव कैसे किया जा सकता है । निटर भोपाल संस्थान में हर दिन कुछ नया और बेहतर करने की सोच के साथ अपने घर से निकलने वाले निदेशक को गहराई से जानने की कोशिश की गयी तो महसूस हुआ कि इन्हें जिस संस्थान की ज़िम्मेदारी दी जाये उसे नई पहचान मिलने से कोई रोक नहीं सकता । संवेदनाओं से भरे निदेशक ने कुछ ऐसी जानकारियाँ दीं जिनसे साबित हुआ कि विकसित देश बनाने के मोदी जी के सपने को साकार करने निदेशक जैसे पदाधिकारियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान संस्थान (एन.आई.टी.टी.टी.आर) भोपाल देश के तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण के कार्य के लिए भारत सरकार द्वारा 7 अप्रैल 1965 में स्थापित गया एक महत्वपूर्ण संस्थान है। इस संस्थान ने हाल ही में अपना 59 वाँ स्थापना दिवस मनाया है। देश में इस तरह के कुल 4 संस्थान हैं। पिछले एक वर्ष में निटर भोपाल अपनी कार्यशैली एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों के लिए चर्चाओं में है। लगभग एक वर्ष पूर्व यहाँ नये निदेशक के रूप में प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कार्यभार ग्रहण किया है। जो एक संवेदनशील, ऊर्जावान, कर्मठ, दृढ़ संकल्पित, भारतीय संस्कृति एवं परम्परा में अटूट विश्वास रखने वाले, संस्थान, समाज और देश हित में नित कुछ नया करने की चाहत रखते हैं। पिछले एक वर्ष में इस संस्थान ने कई नये पॉजिटिव इनिशिएटिव लिए हैं । आइये उन सभी गतिविधियों के बारे में जानते हैं, निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी से ।

द क्लिफ न्यूज़ की ओर से साक्षात्कार लिया गया ।

संपादक से रूबरू हुए निटर निदेशक भोपाल संस्थान

द क्लिफ़ न्यूज़-आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं शिक्षा कहाँ से है ?

निदेशक-मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि ग्रामीण अंचल से रही है । इंटर तक वहीं से पढाई करने के बाद बीएससी एवं एमएससी (फिजिक्स) डिग्री बनारस हिन्दू विश्विद्यालय से की । उसके उपरांत एमटेक की उपाधि बिट्स पिलानी से तथा पीएचडी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पूर्ण की।

द क्लिफ न्यूज़-राष्टीय शिक्षा नीति आ गयी है इसमें इंडियन नॉलेज सिस्टम की बात की गयी है ,इसे आप कैसे देखते हैं?

निदेशक-यदि एक सेन्टेन्स में कहूं तो पहली बार ऐसी कोई शिक्षा नीति आयी है जिसके केंद्र में भारतीयता,अपनी विरासत एवं संस्कृति दिखती है । इस नीति में हमारा अपना भारतीय परम्परागत ज्ञान एवं दर्शन को पुनः सहेजने का अवसर मिलेगा एवं भारत पुनः भारत विश्वगुरु की छवि को प्राप्त कर पायेगा।

द क्लिफ़ न्यूज़-राष्टीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा की बात की गयी है आप इसे किस रूप में देखते हैं इसके क्या रिजल्ट्स हो सकते हैं?

निदेशक-यह एक सकारात्मक पहल है । जब हम मातृभाषा में विषय को सीखते हैं तो वह हमारे लिये प्राथमिक भाषा होती है । इसके लिए हमारे मस्तिष्क को अनुवाद की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता है। इसके विपरित जब हम अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त अपनी द्वितीय या तृतीय भाषा में किसी सिद्धांत या विषय को सीखते हैं तो पहले उसे हमारा मस्तिष्क अपनी मातृभाषा में ट्रांसलेट कर फिर उसको ग्रहण करता है। यही कारण है कि मातृभाषा में मस्तिष्क की ग्रहण क्षमता सबसे ज्यादा होती है। विश्व के कई देशों में कक्षाओं में शिक्षण कार्य विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में किया जाता है, चाहे वह फ्राँस, जर्मनी, रूस या चीन जैसे देश हों। आज यह सुखद संयोग है कि एनईपी-2020 में क्षेत्रिय भाषाओं में भी तकनीकी एवं मेडिकल की पढ़ाई एवं पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

द क्लिफ़ न्यूज़-निटर भोपाल ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनायी है । निटर की नयी योजनाए क्या हैं?

निदेशक-निटर भोपाल में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना की गयी है । निटर, भोपाल इसके माध्यम से शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। यह केन्द्र नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्पेशलाइज्ड लैब में उद्योग जगत के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा। इस केन्द्र में इंटर डिसीप्लेनरी विषयों के 300 से ज्यादा स्नातक स्तर के विद्यार्थी एक साथ रियल लाईफ की इंजीनियरिंग प्रोब्लम्स पर सिमुलेशन टूल्स व हाई एण्ड हार्डवेयर के माध्यम से अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे । इस के न्द्र में विद्यार्थी 4 से 6 सप्ताह एवं 6 माह की समर ट्रेनिंग के साथ अनुसंधान कर सकेंगे। इस सेंटर में स्टूडेंट्स के बैच 120-120 की संख्या में ट्रेनिंग ले रहे हैं। संस्थान ने विभिन्न उद्योगों के साथ समझौता संधि पत्र भी निष्पादित किए हैं ताकि सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स से संस्थान और उद्योग जगत दोनों को लाभान्वित किया जा सके। हमारे टीचर्स को रिसर्च के लिए नए प्रोजेक्ट्स दिए गए हैं । ड्रोन, जीपीस, ऑगमेंटेड एन्ड वर्चुअल रियलिटी जैसी भविष्य की तकनीकों पर ट्रेनिंग एवं रिसर्च कार्य भी किया जायेगा। ग्रीन एनर्जी लैब की भी स्थापना की जा रही है।

द क्लिफ न्यूज़-संस्थान में एक्सपेरेंसिअल लर्निंग सेंटर की भी स्थापना की जा रही है जो अपने आप में एक अभिनव पहल है इसका उद्देश्य क्या है?

निदेशक-एनआईटीटीआर भोपाल अपने कैंपस में सेंटर फॉर एक्सपीरिएंशियल लर्निंग शुरू करने जा रहा है। यह राष्टीय स्तर का एक ऐसा प्लेटफार्म होगा, जहां इंजीनियरिंग छात्रों के लिए भौतिक रूप में ऐसे एक्सपीरिएंशियल लर्निंग एड्स, टूल्स, प्रोटोटाइप डेवलप किए जा सकेंगे, जिससे एक्सपीरिएंशियल पेडागॉजी प्रैक्टिस को एक टीचिंग मॉडल में इंटीग्रेड किया जा सके और मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन को सक्षम बनाया जा सके। इस सेंटर में देशभर के टीचर्स अपने अद्वितीय विचारों के साथ काम कर सकेंगे। इस सेंटर को शुरु करने का मूल उद्देश्य यह है कि इसमें फिजिकल फॉर्म में ऐसी शैक्षणिक सामग्री बनाई जाए, जिसके माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों को कक्षा में अध्यापन के दौरान प्रायोगिक ज्ञान भी दे सकें। वर्तमान में विभिन्न विषयों को समझाने के लिए प्रयोगशाला की जरूरत होती है। अब प्रयोगशाला को ही क्लासरूम में ले जाने के लिए यह सेंटर मददगार साबित हो सकता है। इससे शिक्षकों के शिक्षण कौशल में तो बड़ा परिवर्तन आएगा, क्योंकि क्लासरूम टीचिंग के समय इन मॉड्यूल के जरिए प्रायोगिक ज्ञान देकर छात्रों को आसानी से समझाया जा सकेगा। राष्टीय शिक्षा नीति-2020 से कई बदलाव हो रहे हैं। इसके लिए शिक्षण कौशल को विकसित करना सबसे अहम हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस सेंटर की शुरुआत की जा रही है। इस प्रयोग से विषय ज्ञान को अनुभव करने में मदद मिलेगी साथ ही विषय ज्ञान की समसामायिक समस्याओं का समाधान प्राप्त करने की विशेषज्ञता प्राप्त होगी ।

द क्लिफ न्यूज़ -देश में चार निटर भोपाल,चंडीगढ़ ,चेन्नई और कोलकाता हैं । इनमे से नंबर वन पर कौन है ?

निदेशक-हमारे यहाँ किसी भी तरह की कोई रैंकिंग नहीं है । चारों संस्थान अपने -अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। हमें समय - समय पर विभिन्न स्टेक होल्डर्स से फीडबैक मिलता रहता है कि किन और क्षेत्रों में प्रशिक्षण की आवश्यकता है एवं समय के अनुसार कुछ सुधार या परिवर्तन की आवश्यकता है तो उसके अनुसार हम सभी कार्य करते हैं।

द क्लिफ न्यूज़-एनआईटीटीआर भोपाल प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्य प्रदान कर रहा है और यह किस प्रकार से उपयोगी होगा ?

निदेशक-भारत में, लॉजिस्टिक बहुत प्रमुख क्षेत्र है जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14त्न है जबकि विकसित देशों में यह 8त्न है। इसलिए, इस क्षेत्र के संचालन में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। इसलिए, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कनेक्टिविटी में सुधार के लिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्टीय मास्टर प्लान पीएम गति शक्ति नाम से लॉन्च किया है इस योजना के माध्यम से देश के सप्लाई चेन के नेटवर्क को बेहतर तरीके से संचालित करना,रोज़गार के अवसर में वृद्धि करना,इन्फ्रास्ट्रक्चर का सर्वांगीण विकास,लोकल मैन्युफ़ैक्चरर को भी वर्ल्ड लेवल पर प्रतिस्पर्धी बनाना,नए इकनोमिक जोन को विकसित करना,आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में होलिस्टिक अप्रोच को अपनाना,देश की अर्थव्यवस्था को गति देना,देश में मौजूदा ट्रांसपोर्ट के संसाधनों में आपसी तालमेल बढाना.देश के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के विकास को जोर देना आदि है। निटर भोपाल में 18 एवं 19 मई 2023 को इस विषय पर नेशनल मीट कम वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देशभर से विशेषज्ञ इस विषय पर चर्चा करेंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य विशेषज्ञों के साथ विचार विमर्श कर इस क्षेत्र में 14 कौशल विकास हेतु शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, तैयार कर शिक्षकों को तैयार करना है ।

द क्लिफ न्यूज़-निटर भोपाल करिकुलम डेवलपमेंट के लिए देश भर में जाना जाता है । अभी कौन कौन से प्रोजेक्ट्स जारी हैं ।

निदेशक-निटर भोपाल ने करिकुलम डेवलपमेंट के क्षेत्र में बहुत सारे नवाचार किये हैं। वर्तमान में बिहार राज्य की तकनीकी शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए एसबीटीई, पटना और एनआईटीटीआर, भोपाल के बीच 18 डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए परिणाम आधारित पाठ्यक्रम विकास पर कार्य जारी हैं। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी को करिकुलम में शामिल करने से देश में स्किल्ड मैन-पॉवर तैयार होगा। इसके पूर्व हमने गुजरात, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ के लिए भी करिकुलम डिज़ाइन किये हैं ।

द क्लिफ न्यूज़-निटर का नया एकेडेमिक कैलेंडर जो एक अप्रैल से लागू होता है उसमें क्या विशेषताएं हैं?

निदेशक-नया एकेडेमिक कैलेंडर में हमने टीचर्स की आवश्यकताओं को केंद्र में रखते हए बनाया है। इसमें इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, पेडागोगी, मिलेट्स, पीएम गति शक्ति त्न- 20 एजुकेशन टेक्नोलॉजी, राजभाषा कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग सेंटर, नई दिल्ली के साथ संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी योजना है। इसके साथ ही वीमेन एम्पावरमेंट, विदेशी शिक्षकों के लिए आईटेक् प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं।

द क्लिफ न्यूज़-निटर भोपाल की विभिन्न गतिविधियां समाचार पत्रों/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ,सोशल मीडिया के माध्यम से पता चलती रहती हैं । हाल ही में निटर ने मिलेटस पर एक शार्ट फिल्म बनायीं है । आगे कुछ और इस तरह का कार्य करेंगे ?

निदेशक-निटर भोपाल अपनी एजुकेशनल फिल्म्स/ वीडियो प्रोडक्शन एवं मूक प्रोग्राम्स के लिए जाना जाता है। मूक्स प्रोग्राम स्वयं प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध हैं। निटर की इस क्षेत्र में बहुत सारी उपलब्धियां रही हैं । संस्थान ने अभी तक लगभग 1500 एजुकेशनल रिसोर्सेस का निर्माण किया है। संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा भारत की ओर से पेश एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर वर्ष 2023 को ''इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स'' घोषित किया गया है। एन.आई.टी.टी.टी.आर, भोपाल ने अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए अभिनव पहल करते हुए मिलेट्स के महत्व पर एक शार्ट फिल्म का निर्माण किया है। निटर भोपाल ने मिलेटस एवं उससे जुड़े सभी पहलुओं पर देश भर के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये हैं। यह हमारा दायित्व है कि आने वाली पीढ़ी को मिलेटस के बारे में बताये एवं उन्हें जागरूक करें। इस फिल्म को निटर द्वारा देश भर के तकनीकी शिक्षकों के लिए वर्ष भर आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी दिखाया जायेगा जिससे मिलेटस के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता एवं प्रचार प्रसार हो सके। इस सन्दर्भ में विभिन्न शैक्षणिक,अन्य संस्थानों को पत्र लिखकर भी इस फिल्म को अपने विधार्थियों एवं स्टाफ के लिए प्रदर्शन का आग्रह किया गया है इस तरह के कार्य संस्थान में लगातार जारी रहते हैं।

द क्लिफ़ न्यूज़-निटर भोपाल ने हॉल ही में विभिन्न संस्थानों /इंडस्ट्रीज के साथ MO किये हैं । इनका उद्देश्य क्या है? निटर की वर्किंग को क्या सपोर्ट मिलेगा? **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

निटर निदेशक की प्रेरणादायी...

(पृष्ठ 2 का शेष)

निदेशक–राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन, रिसोर्सेज एवं एक्सपर्टीज शेयरिंग की बात की गयी है हमे अब अपनी विषयों की सीमाओं से बाहर निकलकर कार्य करना होगा तभी समाज हित में नए अनुसन्धान भी हो सकेंगे। हम सभी एक दूसरे से सहायता लेकर क्वालिटी सुनिश्चित करते हए आगे बढ़ेंगे।

द विलफ न्यूज़–देश के सामने हायर एजुकेशन में किस प्रकार की चुनौतियां हैं?

निदेशक–एक ही ढर्रे पर चलती जा रही शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों को विभिन्न अवसर प्रदान करने में अक्षम थी । हमारी शिक्षा व्यवस्था डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, शिक्षक तैयार करने तक ही सीमित रह गई थी। हम शायद स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में कुछ पीछे रहे । अब इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास हो रहे हैं । बच्चों को उनकी इच्छानुसार उत्कृस्ट कार्य करने दें । राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन सभी चुनौतियों के उत्तर देने में सक्षम रहेगी, आवश्यकता है इस नीति को सही रूप में क्रियान्वित करने की।

द विलफ न्यूज़- सामान्य रूप से यह कहा जाता है और कई रिपोर्ट भी यह कहती हैं कि हमारे इंजीनिअर्स एम्प्लॉयेबल नहीं हैं इसका कारण क्या है एवं इस प्रॉब्लम के लिए क्या करिकुलम में कुछ सुधार की आवश्यकता है?

निदेशक–यह सच में एक चिंता का विषय तो है ही की हमारे जो भी इंजीनेअरिंग ग्रेजुएट्स निकल रहे हैं उनमे से अधिकांश इंडस्ट्रीज के एक्सपेक्टेशंस पर खरे नहीं उतर रहे हैं उनकी क्षमता, ज्ञान, स्किल्स में इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप कुछ कमी रह जाती है । यह सभी स्टूडेंट्स कहीं न कहीं थिओरिटिकल नॉलेज तो रखते हैं लेकिन प्रैक्टिकल नॉलेज की कमी होती है। इसीलिए इनके प्रैक्टिकल नॉलेज के लिए लैब्स एवं वर्कशॉप कार्य को टीचर्स एवं स्टूडेंट्स दोनों को सीरियसली लेना पड़ेगा। करिकुलम में लेटेस्ट टेक्नॉलजी को शामिल करना होगा। जिससे इंडस्ट्री रेडी इंजीनिअर्स तैयार हो सकें। हमारे इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स में स्किल्स एवं कॉम्पिटेंसी डेवेलप करना जरुरी है।

द विलफ न्यूज़- पिछले कुछ दिनों से देश में स्टार्टअप्स एवं आन्त्रप्रिन्युरशिप पर बहुत चर्चा है आप इस इनिशिएटिव को कैसे देखते हैं?

निदेशक–यह एक महत्वपूर्ण स्टेप है । हमारे युवा साथियों को इससे नए अवसर मिल रहे हैं एवं सफल भी हो रहे हैं। आज स्टूडेंट्स को जॉब सीकर के स्थान पर नए उद्यम स्टार्ट कर जॉब प्रोवाइडर बनने की दिशा में भी सोचना होगा। इस दिशा में सरकार की बहुत सारी योजनाए हैं जिनका लाभ लेकर वे स्टार्टअप की दिशा में बढ़ सकते हैं और देश की जीडीपी में अपना योगदान दे सकते हैं।

द विलफ न्यूज़- सर आपके पास इंडस्ट्री में कार्य करने का अनुभव भी रहा है अकैडमिक्स और इंडस्ट्री में भी कार्यसंस्कृति में आप क्या अंतर पाते हैं

शिक्षा जगत में टीचिंग, लर्निंग, रिसर्च पर ज्यादा फोकस होता है । इंडस्ट्री में टाइम बाउंड काम होता है जो बिजनेस फोकस्ड ज्यादा होता हैं शिक्षा जगत में लोग थिओरिटिकल ज्यादा होते हैं इंडस्ट्री में प्रैक्टिकल एंड प्रॉब्लम सॉल्विंग एप्रोच ज्यादा होती है।

द विलफ न्यूज़- राष्टीय शिक्षा नीति आ गयी है । बहुत सरे कन्फ्यूजन क्रियान्वयन को लेकर हैं आपका क्या मानना हैं?

निदेशक–राष्ट्रीय शिक्षा नीत्ति एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है इसका क्रियान्वयन हम सभी की नैतिक जिम्मेवारी है इसके लिए शिक्षकों का माइंडसेट चेंज करने की जरुरत है। निटर हर माह राष्ट्रीय शिक्षा नीत्ति के क्रियान्वयन पर कार्यक्रम कर रहा है। हम सभी इसका क्रियान्वयन आसानी से कर सकते हैं।

द विलफ न्यूज़- आपके यहाँ ट्रेनिंग के लिए जो टीचर्स आते हैं, उनका मूल्यांकन आप किस आधार पर

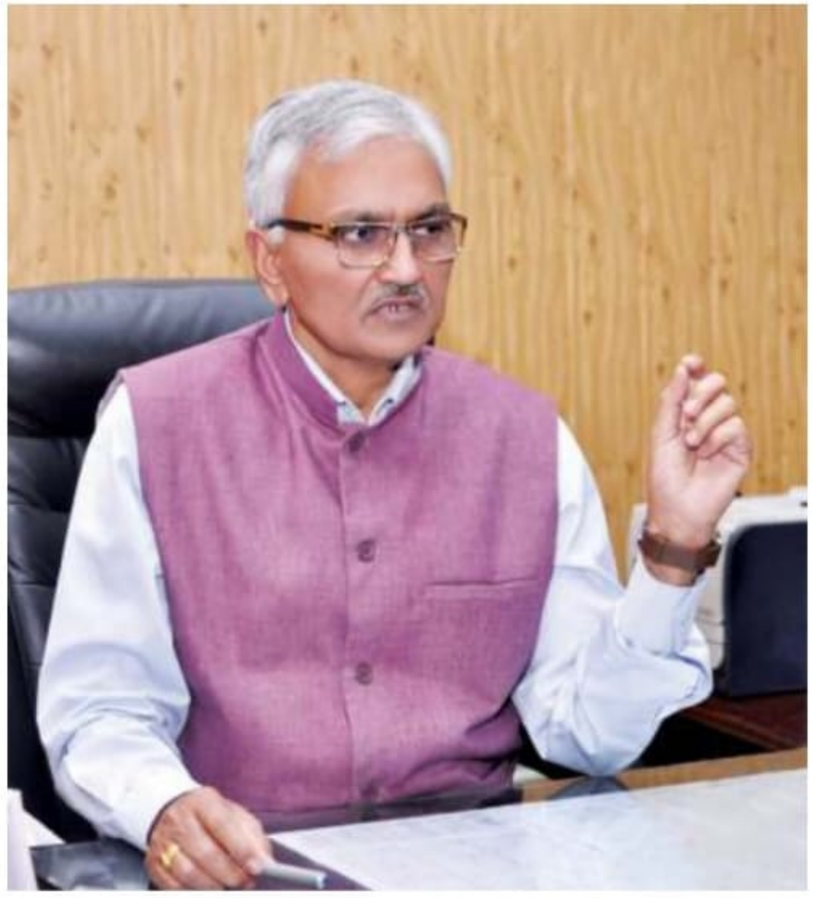

करते हैं?

ट्रेनिंग में बहुत सारे असाइनमेंट्स एवं पोस्ट टेस्ट लेते हैं, टीचर इनको गंभीरता से लेते हैं। और समयबद्ध तरीके से इनको पूर्ण करते हैं।

द विलफ न्यूज़– निटर भोपाल में स्पोर्ट्स में अभी चैंपियनशिप जीती है स्पोर्ट्स की क्या क्या फैसिलिटीज आपके यहाँ उपलब्ध हैं ?

निदेशक–निटर भोपाल में स्पोर्ट्स के साथ साथ योगा, जिम एवं वेलफेयर की कई एक्टिविटीज रेगुलर रूप से संपन्न होती हैं छात्रवास में सभी फैसिलिटीज उत्कृष्ट हैं।

द विलफ न्यूज़- निटर ने अपने परिसर में भारतीय भाषाओँ के साहित्यकारों एवं देश के प्राचीन एवं आधुनिक वैज्ञानिक के जीवन परिचय की एक दीर्घा बनायीं है इसका उद्देश्य क्या है?

निदेशक–पाश्चात्य वैज्ञानिकों के बारे मे विश्व के अधिकाँश लोगों को काफी जानकारी है। स्कूल कॉलेजेस मे भी इस विषय पर काफी कुछ पढ़ाया जाता है। पर बड़े खेद की बात है कि प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिकों के बारे मे आज भी संसार बहुत कम जानता है। धर्म, दर्शन, विज्ञान, वास्तु, ज्योतिष, खगोल, स्थापत्य कला, नृत्य कला, संगीत कला, आदि सभी तरह के ज्ञान का जन्म भारत में हुआ है ऐसा कहने में कोई गुरेज नही, क्योंकि इसके हजारों प्रमाण हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही ज्ञान को अत्यधिक महत्व दिया गया है। इस सभी क्षेत्रों में भारतीय योगदान अनुपम है। आधुनिक युग के ऐसे बहुत से अविष्कार हैं, जो भारतीय शोधों के निष्कर्षों पर आधारित हैं 7 हमारे देश के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यह जानकारी होनी चाहिए जिससे आज की युवा पीढ़ी हमारी समृद्ध भारतीय वैज्ञानिक परम्परा को पहचाने एवं उस पर गर्व कर सके।

द विलफ न्यूज़- निटर भोपाल के साथ साथ आप स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार भी आपके पास काफी समय तक रहा है और दोनों ही राष्टीय संस्थान आप सफलता के साथ संचालित करते रहे है ? यह सब कैसे संभव हुआ ।

निदेशक–मुझे लगता है यदि किसी लीडर का विज़न क्लियर है स्टाफ की प्रोब्लेम्स की जगह सोलूशन्स पर फोकस है आप उनकी अपेक्षाओं आशाओं पर खरे उतरने का प्रयास ईमानदारी से कर रहे हैं तो आप को काम का बोझ कभी नहीं लगेगा और आप काम को एन्जॉय करेंगे।

द विलफ न्यूज़- इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स के लिए क्या सन्देश है?

समय की मांग के अनुसार अपने कौशल और क्षमताओं को विकसित करते चले ।लैब वर्कशॉप में रेगुलर रूप से एक्सपेरिमेंट करें इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग और प्रोजेक्ट वर्क को बहुत ईमानदारी से करें। एक इंजीनियर में यह क्वालिटी होना ही चाहिए की जो सीखा है से इंडस्ट्री में अप्लाई कर पाए। लाइफलॉन्ग लर्नर बने तभी आप रिलेवेंट रह पाएंगे रह पाएंगे और अपने प्रोफेशन के साथ न्याय कर पाएंगे।

द विलफ न्यूज़- किसी संस्थान के शीर्ष पद पर होने वाले व्यक्ति के सामने कई बार चुनौतियां बहुत आती है कई बार कठोर निर्दय लेने पड़ते हैं आप क्या मानते हैं?

निदेशक–यदि आपका विज़न क्लियर है लक्ष्य निर्धारित है तो आपको निर्णय लेने में कोई परेशानी नहीं होती। संस्थान का हर व्यक्ति यूनिक होता है हर व्यक्ति में कुछ विशेताएं होती है एवं कुछ कमिया हो सकती हैं आप उसकी विशेषताओं क्षमताओं को पहचान कर उस से बहुत अच्छे से काम लेकर उसे संस्थान के लिए उपयोगी बना सकते हैं। ऐसे कई प्रयोग मेने डायरेक्टर रहते हुए पहले भी किये हैं।

द विलफ न्यूज़- किसी संस्थान के शीर्ष पद पर होने वाले व्यक्ति के द्वारा लिए हुए डिसिजन कई बार परिस्थिजन्य सही और गलत की परिभाषा में आ जाते हैं आप क्या मानते हैं?

निदेशक–हम सभी के अंदर इतना आत्मबोध तो होता ही है की गलत क्या है सही क्या है। यह भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है। यही हमारे देश की संस्कृति भी है। सच्चाई के मार्ग पर सतत चलते रहे सुख, शांति, आनंद वही मिलेगा। संस्थान के शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति का यह दायित्व है की संस्थान का हित सर्वोपरि रखे। कठोर से कठोर निर्णय लेना हो तो ले।

द विलफ न्यूज़- युवाओं के लिए करियर चुनने को लेकर क्या कहना चाहेंगे?

निदेशक–आज का युवा बहुत जागरूक एवं सजग है। आज इनफार्मेशन का युग है वह बहुत बेहतर तरीके से जानता है की उसे क्या करना है। हमें सिर्फ उस पर ट्रस्ट करना है और उसके सही कार्य को एप्रिसिएट करना है। उसे उसकी रूचि के विषय का चुनाव करने दें ,हर जगह बहुत स्कोप है। समय के साथ कार्यक्षेत्र बहुत व्यापक हुआ है। पहले स्कोप सीमित होता था आज हर जगह अपार सम्भावनाये हैं। अपनी आकांक्षाओं को बच्चो पर जबरन न थोपें लेकिन उसकी गतिविधियों के प्रति हमेशा जागरूक रहें।

द विलफ न्यूज़- आपकी नजर में सफलता का पैमाना क्या है?

निदेशक–मेरा यह मानना है की सफलता का कोई तय पैमाना नहीं है जो आपको रोमांचित और आन्नदित कर दे। खुशियाँ बहुत कुछ बटोरने में नहीं हैं वरन ईमानदारी की भावना के साथ मानवीय मूल्य, करुणा, विश्व बन्धुत्व और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने में है। सक्सेस से ज्यादा यह महत्वपूर्ण है कि आप एक अच्छे इंसान बनें जिससे पद, पैसा, और पावर के बाद भी लोग आपको याद रखे।